ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:03.05.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-05-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	04/05/2024	05/05/2024	06/05/2024	07/05/2024	08/05/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	38.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	18.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	14	12	12	16
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	1	0	2	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (26 अप्रैल से 2 मई) कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.1 से 40.5 और 14.4 से 22.9 के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 51-77% और 11-19% के बीच रही , जबकि हवा पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से 4.0-6.7 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह ठंडी रातें और गर्म दिन के साथ अधिकांश दिनों में मौसम साफ था। आगामी पूर्वानुमान में कोई महत्वपूर्ण वर्षा की भविष्यवाणी नहीं दिखाई गई है , 7 को 1 मिमी की हल्की वर्षा होने की संभावना है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0-38.0 oC और 17.0-18.0oC के बीच भिन्न होने की उम्मीद है। 10-16 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह के दौरान शुष्क हवा वाला मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम आंकड़ों तथा बिजली सम्बंधित चेतावनी के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान 03.05.2024 से 09.05.2024 के दौरान सामान्य वर्षा तथा सामान्य से नीचे अधिकतम - न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति को दर्शाता है। गेहूं तथा अन्य फसलों की कटाई के बाद हरी खाद देनी चाहिए और मिट्टी के अनुसार ढैंचा 50-60 किग्रा/हेक्टेयर तथा सनई 80-90 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोकर किया जा सकता है। रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करनी चाहिए ताकि कीड़ों के अंडे और खरपतवार नष्ट हो जाएं। सूखी उपज को अच्छी तरह से कूट कर भण्डारित किया जाना चाहिए। चूँकि पूर्वानुमानित स्थितियाँ शुष्क हैं इसलिए उचित सिंचाई का प्रयोग नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए फसल में नमी बनाए रखने के लिए सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
सूरजमुखी	पुष्पन	फसल में फूल आने/बीज बनते समय आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
ढैंचा	बुआई	रबी फसल की कटाई के बाद खेतों में हरी खाद उगानी चाहिए तथा ढैंचा/सुनई की बुआई करनी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	निराई-गुड़ाई के साथ नियमित सिंचाई करनी चाहिए।
चारा ज्वार	बुआई	चारा ज्वार की बुआई की जा सकती है तथा बुआई के बाद सिंचाई करनी चाहिए।
चारा मक्का	वानस्पतिक	सिंचाई करनी चाहिए तथा सिंचाई के बाद 3-4 दिन के अंतराल पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
लोबिया	बुआई	लोबिया की अधिक उपज देने वाली प्रजातियाँ बोनी चाहिए।
अदरक	बुआई	बुआई से पहले खेत में सिंचाई करनी चाहिए और अदरक की बुआई करनी चाहिए।
अरबी	बुआई	अगेती किस्मों की बुआई की जा सकती है।
कद्दू वर्गीय सब्जियों	वानस्पतिक/फलदायी	कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों) फसल में पत्ती धब्बा रोग लगने पर मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करना चाहिए।
बैंगन	वानस्पतिक	फसल में हल्की सिंचाई, निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
भिंडी	वानस्पतिक	आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को हवादार स्थानों पर रखा जाना चाहिए और उन्हें लगातार पर्याप्त पानी दिया जाना चाहिए। उचित पंखे और कूलर की व्यवस्था की जानी चाहिए और जानवरों को शांत रखने के लिए उन्हें नियमित रूप से ठंडे पानी से धोना चाहिए। दो माह के पशुओं को पिपराजीन नामक कृमिनाशक दवाई पिलानी चाहिए तथा दो से चार माह की उम्र के पशुओं को लंगड़ी भुखार का टिक्काकरण करवाना चाहिए।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	रबी फसलों की कटाई के बाद, खेतों को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए, हानिकारक कीड़ों, उनके चरणों और हानिकारक खरपतवारों को नष्ट करने के लिए गहरी जुताई करनी चाहिए।